## ...में कराया जाएगा कॉन्क्लेव, छात्रों को बिजनेस शुरू कराने के लिए सेंटर करेगा मदद

# ...टार्टअप के लिए यूटीडी के 22 छात्रों ने दिए आइडिया 5 बेस्ट प्लान को इंक्यूबेशन सेंटर देगा आर्थिक मदद

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के खंडवा रोड स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) में चल रहे इंक्यूबेशन सेंटर अंकुर में 22 छात्रों ने स्टार्टअप आइडिया और उससे जुड़े प्रोजेक्ट जमा किए हैं। सेंटर ने इन प्रोजेक्ट की स्टडी शुरू कर दी है। तैयारी है कि पांच से छह बेस्ट प्रोजेक्ट का चयन कर छात्रों को स्टार्टअप में मदद की जाए। बेस्ट प्रोजेक्ट को सेंटर की तरफ से ना केवल जरूरत के मुताबिक फंडिंग की जाएगी, बल्कि स्टार्टअप शुरू कराने से लेकर उसे सफल बनाने तक हर स्तर पर मदद की जाएगी। सेंटर के पास एलुमिनाई सदस्यों की तरफ से दिया गया 5 करोड़ रुपए का फंड है। ऐसे में बेस्ट आइडिया को इसी राशि में से अनुदान दिया जाएगा। सेंटर ऐसे छात्रों को तकनीकी बिंदुओं से लेकर ग्राउंड लेवल पर पूरी मदद करेगा। यह सेंटर फिलहाल सभी 32 टीचिंग विभागों के साढ़े 12 हजार से ज्यादा छात्रों के लिए लगातार काम करेगा जो भी छात्र स्टार्टअप शुरू करना चाहेगा, उसे आइडिया के हिसाब से मदद की जाएगी।

### छात्रों को मंच पर बुलाया जाएगा, उनसे आइडिया पूछा जाएगा

इंक्यूबेशन सेंटर अंकुर जनवरी में ऑडिटोरियम में बड़ा कॉन्क्लेव करने जा रहा है। इसके तहत छात्रों को मंच पर बुलाया जाएगा। उनसे आइडिया पूछा जाएगा। जिन छात्रों के आइडिया अच्छे होंगे और सफल होने की ज्यादा संभावना रहेगी, उनका चयन होगा। फिर उन छात्रों को आर्थिक मदद के साथ स्टार्टअप शुरू करने में सहयोग किया जाएगा। हर छह माह में ऐसे ही कॉन्क्लेव होंगे।

### कई बिजनेस आइडिया बड़ी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं

स्टार्टअप के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर और फंडिंग के साथ बेहतर आइडिया भी जरूरी होता है। ऐसे में इंक्यूबेशन सेंटर के जरिये ऐसे छात्रों को स्टार्टअप (खुद का आइडिया, अपना बिजनेस) में मदद दी जाती है। फिलहाल ऑनलाइन बिजनेस के साथ स्टार्टअप में कई नए आइडिया सामने आए हैं जो गांवों से लेकर कस्बों तक में सफल हुए हैं। कई बिजनेस आइडिया बड़ी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अंकुर के प्रभारी डॉ. निशिकांत वायकर का कहना है कि यूटीडी में बड़ी संख्या में ऐसे छात्र हैं जो बेहतरीन आइडिया पर काम करना चाहते हैं, लेकिन आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं होने और तकनीकी बाधाओं के कारण यह संभव नहीं हो पाता। इसी कारण अब हम स्टार्टअप में बेस्ट आइडिया वाले छात्रों के लिए हरसंभव मदद के प्लान पर काम कर रहे हैं। पहले दौर में 22 आइडिया मिले हैं।

### सेंट्रल सेल के साथ मिलकर काम कर रहा अंकुर, 70 फीसदी तक पहुंची प्लेसमेंट

यूनिवर्सिटी की सेंटर प्लेसमेंट सेल छात्रों के प्लेसमेंट पर काम कर रही है। उसी का असर है कि औसत प्लेसमेंट 70 फीसदी तक पहुंच गया है, जबकि औसत पैकेज भी तीन से चार लाख तथा अधिकतम पैकेज 19 लाख तक पहुंच गया है। कई छात्र ऐसे हैं जो जॉब के बजाय स्टार्टअप में रुचि लेते हैं। ऐसे ही छात्रों से अब अंकुर सेंटर आइडिया मांग रहा है। बेस्ट आइडिया को यह सारी मदद दी जा रही है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के अवनीश व्यास के अनुसार ज्यादातर छात्र अब भी जॉब के पक्ष में हैं, लेकिन हर क्लास में दो से तीन छात्र अब स्टार्टअप की तरफ बढ़ रहे हैं। ऐसे छात्रों से हम आइडिया तैयार करने को कहते हैं। फिर बेस्ट आइडिया का चयन कर उनकी मदद करते हैं।

## दो पूर्व और एक वर्तमान कुलपति ने बताया डीएवीवी के लिए ए प्लस ग्रेड के मायने क्या हैं



[illegible]

**अब नए सेंटर खोलना होंगे**

विदेशी छात्रों को आकर्षित करने के लिए नए सेंटर खोलना होंगे। क्वालिटी एजुकेशन पर काम करना होगा। खाली पद भरना जरूरी होगा। छात्रों की कम्युनिकेशन स्किल बढ़ाने के लिए बड़े कदम उठाने होंगे। यूनिवर्सिटी का ऑटोमेशन अहम है।

आशुतोष मिश्रा
पूर्व कुलपति

**फैकल्टी की कमी दूर करेंगे**

हम तीन बिंदुओं पर बहुत आगे रहे। अब हमारी चुनौती बाकी चार बिंदुओं पर ए डबल प्लस अंकों तक पहुंचने की होगी। सबसे अहम रिसर्च है। फिर फैकल्टी की कमी दूर करने, देश-विदेश की टॉप फैकल्टी के स्पेशल लेक्चर पर जोर रहेगा।

डॉ. रेणु जैन
कुलपति

**रिसर्च, क्वालिटी टीचिंग लक्ष्य**

अब हमारा जोर मॉडल यूनिवर्सिटी के दर्जे पर रहेगा। 100 प्रोफसरों को नई रिसर्च से जोड़ने, 200 फैकल्टी की नियुक्ति, बड़े देशों की यूनिवर्सिटी से टाईअप और एक्सचेंज प्रोग्राम से स्किल बढ़ाने पर काम करेंगे। क्वालिटी टीचिंग लक्ष्य रहेगी।

# डीएवीवी को 50 करोड़ की ग्रांट का रास्ता खुला, 20% विदेशी फैकल्टी पढ़ा सकेंगी

दैनिक भास्कर
27/11/2019

भास्कर संवाददाता | इंदौर

[illegible] ग्रेड मिलने के बाद डीएवीवी यूजीसी [illegible] अनुमति मान्यता प्राप्त कोर्स शुरू [illegible]। ओपन डिस्टेंस लर्निंग कोर्स की [illegible] भी मिल गई है। 20 फीसदी विदेशी [illegible] नियुक्त की जा सकेंगी। राष्ट्रीय [illegible] शिक्षा अभियान से 50 करोड़ तक [illegible] डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी [illegible] 20 से ज्यादा फंडिंग एजेंसियों से ग्रांट [illegible] शुरू जाएगा। विदेशी यूनिवर्सिटी [illegible] और फैकल्टी-स्टूडेंट एक्सचेंज [illegible] मिल जाएगी। डीएवीवी अब [illegible] यूनिवर्सिटी को नैक की ट्रेनिंग देने के [illegible] जाएगी। मॉडल यूनिवर्सिटी का [illegible] गया है। इसके तहत 200 [illegible] की ग्रांट मिलेगी। वर्ल्ड बैंक से [illegible] 40 करोड़ की ग्रांट और आठ [illegible] सेंटर फॉर एक्सीलेंस के दर्जे को [illegible] भी खत्म हो सकता है। ए प्लस [illegible] सबसे अहम भूमिका करिकुलम [illegible] के बिंदु पर हुए कार्यों [illegible] डिजाइन में 4 में से 3.77 [illegible] रिसर्च कंसल्टेंसी एंड एक्सटेंशन [illegible] 4 में से 2.68 अंक मिले। यूनिवर्सिटी [illegible] स्टडी रिपोर्ट भेजी थी, उसमें 4 में [illegible] लर्निंग में 4 में से 3.40 अंक [illegible] अंक सेल्फ स्टडी रिपोर्ट [illegible] अंक ग्राउंड रिपोर्ट के तय थे।

### देवी अहिल्या विश्वविद्यालय को ए प्लस होने के 5 फायदे यह भी

1. यूजीसी की मंजूरी बिना मान्यता प्राप्त कोर्स शुरू कर सकेंगे
2. ओपन डिस्टेंस लर्निंग कोर्स के लिए पात्रता
3. डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी सहित 20 से ज्यादा एजेंसियों से ग्रांट
4. विदेशी यूनिवर्सिटी से एमओयू, फैकल्टी-स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम की पात्रता
5. डीएवीवी अन्य यूनिवर्सिटी को नैक की ट्रेनिंग देने के लिए पात्र हो जाएगा

### सैप और ग्रीन कैंपस ने भी दिलाए अंक

- तक्षशिला परिसर की ग्रीन पॉलिसी ने भी मजबूत अंक दिलवाए।
- ईएमआरसी, फिजिकल एजुकेशन, योगा जैसे विभाग और उनका इंफ्रास्ट्रक्चर बना मजबूत आधार।
- 7 विभागों के पास सैप का दर्जा अहम उपलब्धि माना गया।
- लोकपाल की नियुक्ति ने मजबूती दी। ज्यादातर विभागों की शानदार लैब भी बनी आधार।

### बढ़ती ग्रेड

**2008**
बी प्लस ग्रेड

**2014**
ए ग्रेड मिली

**2019**
ए प्लस ग्रेड

### इन पर असर

- टीचिंग विभागों के 12 हजार 300 छात्रों को रिसर्च प्रोजेक्ट सहित कई तरह की ग्रांट में सीधा फायदा।
- 300 स्थायी और 700 के करीब अस्थायी फैकल्टी को रिसर्च प्रोजेक्ट में मिल सकेगी ग्रांट।

### कसौटी : इंफ्रास्ट्रक्चर-बेस्ट प्रैक्टिसेस में आगे, गवर्नेंस एंड लीडरशिप में औसत, पांच में मजबूत, तीन में ए डबल प्लस

| | |
|---|---|
| करिकुलम डिजाइन एंड डेवलपमेंट | 3.77 अंक (ए डबल प्लस) |
| इंफ्रास्ट्रक्चर एंड लर्निंग रिसोर्सेस | 3.64 अंक (ए डबल प्लस) |
| बेस्ट प्रैक्टिसेस एवं इनोवेशन | 3.61 अंक (ए डबल प्लस) |
| स्टूडेंट सपोर्ट एंड प्रोग्रेशन | 3.46 (ए प्लस) |
| टीचिंग, लर्निंग एंड ईवैल्यूएशन | 3.31 (ए प्लस) |
| गवर्नेंस एंड लीडरशिप | 3.18 औसत से थोड़ा ज्यादा |
| रिसर्च कंसल्टेंसी एंड एक्सटेंशन | 2.68 एक बिंदु पर रहे पीछे |

(सभी अंक 4 अंकों में से मिले हैं)

### चुनौतियां अब भी : मजबूत रिसर्च, टीचिंग के खाली पद

डीएवीवी को रिसर्च पर सबसे कम अंक मिले हैं। अब न केवल प्रोफेसरों और छात्रों की रिसर्च बढ़ाना होगी, बल्कि बड़े प्रोजेक्ट पर भी रिसर्च करना होगी। रिसर्च सुविधाएं बढ़ाना होंगी। सिलेबस को लेकर इंडस्ट्री के साथ टाइअप कर स्थायी सिस्टम विकसित करना होगा। टीचिंग के खाली 214 पद भरना बड़ी चुनौती रहेगी।